"विद्यालयी शिक्षा विभाग/सर्व शिक्षा अभियान को सहयोग प्रदान कर रही संस्थाओं के साथ दिनाँक 11 फरवरी, 2015 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त"

दिनांक 11 फरवरी, 2015 को श्री डी. सेन्थिल पाण्डियन, महानिदेशक/राज्य परियोजना निदेशक सर्व शिक्षा अभियान की अध्यक्षता में राज्य परियोजना कार्यालय के सभागार में विद्यालयी शिक्षा विभाग/सर्व शिक्षा अभियान को सहयोग प्रदान कर रही संस्थाओं के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपस्थित प्रतिभागियों की सूची संलग्न है।

बैठक की शुरूआत परिचय सत्र से हुई तदोपरान्त महानिदेशक द्वारा अवगत कराया गया कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सर्व शिक्षा अभियान/शिक्षा विभाग को सहयोग प्रदान कर रही संस्थाओं के सहयोग से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट के निर्माण में भी सहयोगी संस्थाओं का सहयोग अपेक्षित है, यदि सहयोगी संस्थाओं द्वारा अन्य राज्यों में अच्छा कार्य किया जा रहा है तो ऐसे कार्यों को भी वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट में प्रस्तावित कर प्रदेश में भी क्रियान्वयित किया जा सकता है। वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट के निर्माण में मुख्य रूप से मूलभूत सुविधायें, मानव शक्ति एवं कौशल को केन्द्रित किया जाना है।

सी0आई0आई0 की विभागाध्यक्ष सुश्री विभा मल्होत्रा द्वारा अवगत कराया गया कि सी0आई0आई0 फाउण्डेशन द्वारा जनपद टिहरी के 08 राजकीय प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों का पुनर्निर्माण कार्य करवाया जा रहा है जिसमें से प्रथम चरण में रा0प्रा0वि0 बागवान, रा0प्रा0वि0 मूल्यागांव, रा0प्रा0वि0, सिंजल एवं रा0प्रा0वि0 साटागाड़, का निर्माण कार्य अन्तिम चरण में है शेष 4 विद्यालयों, क्रमशः रा0प्रा0वि0 हड़ियाड़ा, रा0उ0प्रा0वि0 हड़ियाणा, रा0प्रा0वि0 अन्थवालगांव एवं रा0प्रा0वि0 पंगारिया में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के उपरान्त पुनर्निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। साथ ही उनका फाउण्डेशन "स्वच्छ भारत स्वच्छ विद्यालय" अभियान के तहत विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण कर सकता है। जिसके लिए उन्हें शौचालय विहीन विद्यालयों की आवश्यकता होगी, विद्यालयों में सफाई कर्मचारी की व्यवस्था नहीं है जिस कारण शौचालय गन्दे रहते हैं समुदाय के सहयोग से यह किया जा सकाता है। उन्होंने अवगत कराया कि शिक्षा में गुणवत्ता सुधार हेतु सी0आई0आई0 फाउण्डेशन व जुबिलेन्ट फाउण्डेशन संयुक्त रूप से उक्त विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने हेतु शैक्षिक सत्र 2015–16 के माह अप्रैल 2015 से **प्रोजेक्ट मुस्कान** प्रारम्भ करना चाहता है जिसका मुख्य उद्देश्य सीखने के वातावरण में सुधार, अध्यापकों की क्षमता विकास एवं सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में तकनीकी का प्रयोग व समुदाय की सहभागिता है। यह प्रोजेक्ट उत्तराखण्ड के जनपद हरिद्वार में रा0प्रा0वि0 मक्खनपुर विकासखण्ड भगवानपुर में पूर्व से संचालित हो रहा है।

रूम टू रीड संस्था की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी सुश्री पुष्पलता रावत, द्वारा अवगत कराया गया कि उनकी संस्था द्वारा लिट्रेसी एवं बालिका शिक्षा कार्यक्रम क्रियान्वित किये जा रहे है। बच्चों को स्वतन्त्र पाठक बनाने के लिए **पठन एवं लेखन शिक्षण कार्यक्रम, स्कूल पुस्तकालय एवं पुस्तक प्रकाशन कार्यक्रम** पर कार्य किया जाता है। रूम टू रीड द्वारा सर्व शिक्षा अभियान उतराखण्ड को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, Early Reading & Writing with Comprehension, MHRD के ***"पढ़े भारत बढ़े भारत"*** कार्यक्रम के अनुसार पुस्तकालय स्थापना

तथा पढ़ने की आदत का विकास तथा बालिकाओं हेतु जीवन कौशल शिक्षा के रूप में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। जनपद टिहरी के विकासखण्ड नरेन्द्रनगर व चम्बा में 15 नोडल लाईब्रेरी तथा जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड नारसन, लक्सर एवं बहादराबाद के 125 विद्यालयों में पुस्तकालय कार्यक्रम संचालित है। जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड भगवानपुर के चार विद्यालयों में बालिका शिक्षा कार्यक्रम संचालित है। अकादमिक सत्र–2015–16 में कक्षा–6 में प्रवेश लेने वाली बालिकाओं को इस कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा। संस्था द्वारा जनपद हरिद्वार के विकासखण्ड बहादराबाद एंव रुड़की के 233 विद्यालयों में संचालित पठन एवं लेखन शिक्षण कार्यक्रम (Writing, Reading Instructional Program) में अपने लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं तथा संस्था मार्च 2015 में यह कार्यक्रम विभाग को हस्तान्तरण कर देगी। संस्था द्वारा सत्र 2015–16 में देहरादून जनपद के 100 नये विद्यालयों में लिट्रेसी कार्यक्रम संचालित किया जाना प्रस्तावित है।

श्री प्रमोद उपाध्याय, राज्य समन्वयक बटर फ्लाईज, द्वारा अवगत कराया गया है कि उनके द्वारा विद्यालय से बाहर रह गये बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में वे अब तक चार जनपदों के लगभग 2300 सौ बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ चुके हैं। वे हमेशा ऐसे बच्चों के अध्ययनरत विद्यालय एवं उनके परिवार से जुड़े रहते हैं ताकि ऐसे बच्चों की समस्याओं का निराकरण किया जा सके।

प्रथम संस्था के राज्य प्रमुख श्री श्याम दयाल सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि –

1. अभी तक सर्व शिक्षा के साथ मिलकर विभिन्न गतिविधियों द्वारा बच्चों के अधिगम स्तर के सुधार के लिए विद्यालयी शिक्षा के साथ कार्य किया जा रहा है।
2. उत्तराखण्ड के अतिरिक्त उनकी संस्था द्वारा भारत वर्ष के लगभग 22 राज्यों में भी सर्व शिक्षा अभियान व विद्यालयी शिक्षा के साथ मिलकर बच्चों के शिक्षा के स्तर में सुधार हेतु कार्य किया जा रहा है।
3. आने वाले वर्षों में भी कक्षा 3 से कक्षा 8 तक के बच्चों के भाषा, गणित एवं विज्ञान विषयों की संप्राप्ति के लिए सर्व शिक्षा अभियान व एस0सी0ई0आर0 टी0 को सहयोग प्रदान कर सकते है। हम कक्षा 3 से 5 तक में भाषा को पढना, समझना व लिखने की दक्षता के विकास व गणित विषय की प्रारम्भिक समझ व मूलभूत दक्षता के विकास के लिए विद्यालय में Learning Camps के माध्यम से सहयोग प्रदान कर सकते है। इसी प्रकार कक्षा 6–8 तक गणित व विज्ञान विषय की मूलभूत दक्षताओं के विकास के लिए भी Learning Camps के माध्यम से सहयोग दे सकते है।
4. उनके द्वारा विगत वर्षों में भी शिक्षण पाठक्रम के निर्माण व शिक्षक प्रशिक्षण में सहयोग व प्रतिभाग किया है तथा आने वाले वर्षों में भी हम भाषा गणित व विज्ञान विषय में इस प्रकार का सहयोग देते रहना चाहते हैं।
5. रूद्रप्रयाग जनपद के आपदा प्रभावित क्षेत्र के चयनित गाँव के विद्यालयों द्वारा बच्चों के शैक्षिक विकास हेतु कार्यक्रम चलाना प्रस्तावित है।
6. उक्त सभी शैक्षिक गतिविधियों को विधिवत् व सुचारू रूप से चलानें के लिए प्रथम संस्था, शिक्षा विभाग/सर्व शिक्षा अभियान के साथ 3 वर्षों के लिए MOU करना चाहता है।

श्री भुवनेश्वरी महिला आश्रम के परियोजना प्रबन्धक श्री गोपाल थपलियाल ने अवगत कराया कि उनके द्वारा जनपद चमोली एवं उत्तरकाशी के 200 विद्यालयों एवं 150 आंगनवाड़ी केन्द्रों में समुदाय के सहयोग से बच्चों की भागीदारी के साथ विद्यालयों में विभिन्न क्रिया कलाप कराये जा रहे है। विद्यालय विकास योजना की समीक्षा, विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण, शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रति जागरूकता, अध्यापकों को बाल सुरक्षा विषय पर पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण, सभी विद्यालयों में ''मन की बात'' Box की स्थापना 26 ध्वस्त विद्यालयों का पुनर्निमाण, 50 विद्यालयों में बहु कक्षा बहु स्तर (MGML) की स्थापना, 40 विद्यालयों में प्रयोगशाला की स्थापना, 60 विद्यालयों में पृथक शौचालय, मूत्रालय, हाथ धोने की व्यवस्था, 20 विद्यालयों में छात्राओं हेतु Sanitary Napkin के साथ Changing room की व्यवस्था, समुदाय स्तर पर Gender Sensitization (लैंगिक संवेदीकरण), किशोरी बालिकाओं के लिए Talent Hunt Program, 100 विद्यालयों में सहभागी जैविक विश्लेषण आदि संचालित किये जा रहे हैं।

उत्तराखण्ड रोटरी आपदा ट्रस्ट के सदस्य श्री प्रेम भल्ला द्वारा अवगत कराया गया कि जून 2013 को आयी प्राकृतिक आपदा के उपरान्त ट्रस्ट ने जनपद रूद्रप्रयाग के विद्यालयों का पुनर्निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया इसमें से 3 विद्यालयों का पुनर्निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 6 विद्यालयों में कार्य प्रगति पर है। उनका लक्ष्य कुल 35 विद्यालयों का पुनर्निर्माण करना है। उन्होंने अवगत कराया कि उनकी संस्था द्वारा संचालित हिम ज्योति विद्यालय देहरादून में वर्तमान में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाली 267 बालिकायें अध्ययनरत है। आगे चलकर व्यावसायिक संस्थान के संचालन की भी योजना है।

राजीव गाँधी फाउण्डेशन के वरिष्ठ कार्यक्रम सहायक सुश्री पूजा आनन्द एवं शिव शंकर ने अवगत कराया कि उनके द्वारा जनपद बागेश्वर, नैनीताल, देहरादून रूद्रप्रयाग एवं चमोली के 5 संकुल के 56 विद्यालयों में कालिकायत्ना (Learning by doing) कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। फाउण्डेशन द्वारा How to Learn, Teacher Empowerment, Assessment, CCE, बॉक्स फाइल, विद्यालयों को शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक क्रिया कलापों में मदद की जा रही है।

सम्पर्क फाउण्डेशन के कार्यक्रम सहायक श्री संदीप चौहान द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा Early Maths में कार्य किया जा रहा है इसी क्रम में प्रथम चरण में जनपद देहरादून के रायपुर विकासखण्ड के 126 विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है जिसमें 175 अध्यापकों को प्रशिक्षण एवं समस्त 126 विद्यालयों में Maths Kit उपलब्ध करा दी गयी है।

अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के समन्वयक श्री अम्बरीश बिष्ट द्वारा अवगत कराया गया कि उनका फाउण्डेशन 11 वर्षों से उत्तराखण्ड में शिक्षा के क्षेत्र कार्य कर रहा है। अब तक APF द्वारा विभाग को निम्न सहयोग दिया जा रहा है –

- सर्वप्रथम वर्ष 2005 में कम्प्यूटर ऐडेड लर्निंग कार्यक्रम के अंतर्गत सर्व शिक्षा अभियान एवं अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के मध्य एक साझा समझौता पत्र (MOU) हस्ताक्षरित किया गया। फाउण्डेशन द्वारा राज्य के चयनित 154 उ.प्रा.वि. में कम्प्यूटर चालित शिक्षण अधिगम सामग्री के रुप में 28 सीडी (प्रति सेट) निशुल्कः प्रदान किए गए। वर्ष 2005 में 4800 सीडी तथा 2006–07 में 8000 सीडी निशुल्क उपलब्ध कराई गई।

- राज्य के सभी जनपदों के डायट्स में 42 मास्टर ट्रेनर तैयार कर सभी चयनित विद्यालयों के अध्यापकों को डायट के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन एवं सर्व शिक्षा अभियान उत्तराखण्ड ने संयुक्त रूप से वर्ष 2009 में राज्य के लगभग 2010 प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के कक्षा 3, 5 एवं कक्षा 7 के लगभग 29000 छात्र–छात्राओं की उपलब्धि स्तर की जांच की गई।
- अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा वर्ष 2005 से राज्य के सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निरंतर सहयोग प्रदान किया जाता रहा है।
- अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सहयोग से पायलट रुप में राज्य के लगभग 44 विद्यालयों में विगत दो वर्षों से सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा का क्रियान्वयन किया गया।
- वर्ष 2013 में उत्तराखण्ड में आई प्राकृतिक आपदा के दौरान अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन का सहयोग जनपद उत्तरकाशी में काफी सराहनीय रहा। आपदा के दौरान फाउण्डेशन द्वारा अपने संस्थान एवं अतिथि गृह को पूर्ण रुप से आपदा प्रभावित परिवारों/व्यक्तियों को निशुल्क आवास हेतु उपलब्ध किया गया।

अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा वर्ष 2004–05 से अपनी संस्था द्वारा कराये गये कार्यों को उल्लिखित करते हुए वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2015–16 के निर्माण हेतु निम्नलिखित सुझाव दिये गये सुझाव –

1. सतत् व्यापक मूल्यांकन (सीसीई) को पूर्णतः लागू करने हेतु निर्देशन एवं सरकारी आदेश निर्गत करना।
2. सतत् व्यापक मूल्यांकन हेतु वित्तीय प्रावधान करना।
3. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम को तीन वर्षों के सतत् कार्य को बढ़ते क्रम में देखते हुए विषयवार प्रशिक्षण सामग्री निर्माण करना।
4. विषयवार जिला संदर्भ समूहों को निर्मित करना उनके सतत् व्यावसायिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
5. राज्य स्तर पर एससीईआरटी के समन्वयन में विषयवार राज्य संदर्भ समूह का गठन करना एवं उनके सतत् व्यावसायिक प्रशिक्षण।
6. शैक्षिक नेतृत्व प्रबंधन हेतु प्रधानाध्यापकों के प्रशिक्षक एवं संदर्भ व्यक्तियों के सतत् व्यावसायिक प्रशिक्षण।
7. अकादमिक अनुसमर्थन समूह बी.आर.पी./सी.आर.पी. का इंडक्शन कार्यक्रम एवं सतत् व्यावसायिक प्रशिक्षण।

महिला समाख्या की राज्य परियोजना निदेशक श्रीमती गीता गैरोला ने अवगत कराया कि उनके संस्थान द्वारा महिला शिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गयी है जिसमें 14 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की विद्यालय से बाहर रह गयी छात्रायें अध्ययन करती हैं। साथ ही चयनित विद्यालयों में किशोरी कार्यक्रम, रचनात्मक अखबार, जीवन कौशल इत्यादि कार्यक्रय संचालित किये जा रहे हैं।

महानिदेशक/राज्य परियोजना निदेशक द्वारा निर्देशित गया कि–

1. शिक्षा से सम्बन्धित कार्यक्रमों में समुदाय का सहयोग लिया जाये, साथ ही ग्राम प्रधानों का सहयोग भी लिया जाये।

2. अध्यापकों एवं छात्रों हेतु Assessment System तैयार किया जाये।
3. जिलास्तरीय नियोजन को सुदृढ़ किया जाये इस हेतु सम्बन्धित जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी का सहयोग लिया जाये।
4. अध्यापक प्रशिक्षण हेतु निर्मित Training Module का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाय।
5. Training Need Analysis (TNA) के तहत पहले Quarter में प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण कर तदपरान्त प्रशिक्षण एवं अध्यापकों का आंकलन (Assessment) सनिश्चित किया जाये।

2. अध्यापकों एवं छात्रों हेतु Assessment System तैयार किया जाये।
3. जिलास्तरीय नियोजन को सुदृढ़ किया जाये इस हेतु सम्बन्धित जिलाधिकारी एवं उप जिलाधिकारी का सहयोग लिया जाये।
4. अध्यापक प्रशिक्षण हेतु निर्मित Training Module का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाय।
5. Training Need Analysis (TNA) के तहत पहले Quarter में प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण कर तदुपरान्त प्रशिक्षण एवं अध्यापकों का आंकलन (Assessment) सुनिश्चित किया जाये।
6. प्रशिक्षण में डायट प्राचार्य की भागीदारी सुनिश्चित की जाये।
7. सभी स्तर पर अध्यापकों हेतु वार्षिक गोपनीय आख्या का प्राविधान किया जाये।
8. शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाये।
9. विद्यालयों में बच्चों हेतु आयरन एवं फोलिक एसिड की गोलियां दी जायें तथा नियमित रूप से बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाय।
10. पर्यवेक्षण/अनुश्रवण को और अधिक सुदृढ़ किया जाये।
11. सभी सहयोगी संस्थायें समय-समय पर अपना फीड बैक उपलब्ध कराते रहें।

अन्त में धन्यवाद के साथ बैठक का समापन किया गया।

21.2.15

(डा0 कुसुम पन्त)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पृ0सं0:- अ0रा0प0नि0/2209 पैडागॉजी CII-J.B.F. (106)/2014-15 दिनांक 21 ~~जनवरी~~ Feb, 2015.

प्रतिलिपः-

1. अपर मुख्य सचिव विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन को सूचनार्थ प्रेषित।
2. राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान के अवलोकनार्थ।
3. राज्य प्रमुख, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन, 53, ई0सी0 रोड़, देहरादून।
4. **Smt. Namita Singh, Team Lead, Transform School Program, Rajiv Gandhi Foundation, Jawahar Bhawan, Delhi.**
5. राज्य प्रबन्धक, रूम टू रीड, बसन्त बिहार, देहरादून।
6. राज्य प्रमुख, प्रथम एजूकेशन फाउण्डेशन, भवन संख्या -331 फेस-II बसन्त बिहार देहरादून।
7. श्री बैंकटेश मैलूर, अध्यक्ष सम्पर्क फाउण्डेशन, ए-176, सेक्टर 40, नोएडा उ0प्र0।
8. सुश्री विभा मल्होत्रा, निदेशक, विभागाध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य कार्यालय, 30/1, राजपुर रोड़, देहरादून।
9. श्री आर0के0 साबू, अध्यक्ष एवं ट्रस्टी, रोटरी उत्तराखण्ड आपदा ट्रस्ट, द्वारा- हिमज्योति विद्यालय सहस्त्रधारा, देहरादून।
10. निदेशक, बटर फ्लाईज, यू-4 ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110016.
11. श्रीमती गीता गैराला, राज्य परियोजना निदेशक, महिला समाख्या, उत्तराखण्ड, 10 इन्दिरानगर, फेस-I, पो0-एफ0आर0आई0 देहरादून।

21.2.15

(डा0 कुसुम पन्त)
अपर राज्य परियोजना निदेशक
उत्तराखण्ड, देहरादून।

O/C